This question paper contains 8 printed pages.

6854 *Your Roll No.* .....

LL.B. / I Term G

Paper LB-103 : LAW OF TORTS

Time : 3 hours *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt fivequestions in all, including at least one question from Part. All questions carry equal marks.

भाग ब से कम से कम एक प्रश्न चुनते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART A (भाग अ)

1. (a) Explain the maxims *injuria sine damno* and *damnum sine injuria* citing relevant case law.

संगत वाद-विधि के आधार पर "इन्जूरिया साइन डेम्नो" और "डेम्नम साइन इन्जूरिया" अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए। 12

P. T. O.

(b) Distinguish between tort and crime.

अपकार और अपराध में अंतर बताइए। 8

2. Trace the development of the law relating to nervous shock.

C, a fourteen year old child, was riding a bicycle. Suddenly, he lost his balance and fell on the road. C was crushed under a car coming from behind, as the driver of the car (D) failed to apply brakes immediately. C was taken to a nearby hospital where he was declared brought dead. N, a neighbour of C, saw the accident and sustained nervous shock. C's mother 'M' was informed about the accident on phone. She reached the hospital an hour later and saw C's badly mutilated dead body, as a result of which she sustained nervious shock. Discuss the liability of D for the nervous shock sustained by N and M.

स्नायुविक आघात से संबंधित कानून के विकास को रेखांकित कीजिए।

चौदह साल का बच्चा C साइकिल चला रहा था। अचानक उसके संतुलन बिगड़ने से वह सड़क पर गिर गया। पीछे से आती हुई कार के चालक (D) के तुरन्त बेक न लगा पाने के कारण C कार के नीचे आ गया। C को पास के अस्पताल ले जाया गया जहाँ उसे मृत पहुँचा घोषित किया गया। C के पड़ोसी N को दुर्घटना देखने के कारण स्नायुविक आघात

पहुँचा। C की माता M को टेलीफोन पर दुर्घटना की सूचना दी गई। वह एक घंटे में अस्पताल पहुँची और C की क्षत-विक्षत मृत देह देखकर उसे भी स्नायुविक आघात पहुँचा। N और M को लगे स्नायुविक आघात के लिये D के दायित्व का विवेचन कीजिए।

3. (a) Due to the negligence of Z, a well was filled with poisonous fumes of a petrol driven pump. Two workmen were trapped in the well. D, a doctor, decided to enter the well to try and rescue the workers, although he was warned by Z and the by-standers that this could be dangerous for him. D tied a rope around his waist and went into the well. The workers were already dead and D was also overcome by the fumes and died on his way to the hospital. D's wife sues Z for damages. Will she succeed? Decide citing relevant precedents.

X की लापरवाही से एक कुएँ में पेट्रोल चालित पंप से जहरीला धुँआ भर गया। उस कुएँ में दो मजदूर फँस गये। एक डॉ० D ने निर्णय किया कि वह कुएँ में जाकर दोनों मजदूरों को बचाने की कोशिश करेगा, हालांकि Z तथा दर्शकों ने उसे खतरे का आभास दिया था। D ने अपनी कमर में रस्सी बाँधी और कुएँ में उतर गया। D के पहुँचने से पहले ही मजदूर मर चुके थे। D भी उस जहरीले धुँए की चपेट में आ गया और अस्पताल के मार्ग में मर गया। D की पत्नी Z पर क्षतिपूर्ति का वाद लाती

है। क्या वह सफल होगी? प्रासंगिक पूर्वनिर्णयों का हवाला देते हुए निर्णय कीजिए।

(b) Explain the tests for determining remoteness of damage. Also examine the effect of the Wagon Mound decision on "egg shell skull" cases.

क्षति की दूरी का पता लगाने के लिये परीक्षणों को समझाइए। "ऐग शैल स्कल" वादों पर वेगन माउण्ड निर्णय के प्रभाव का परीक्षण भी कीजिए।

4. Explain the rule of strict liability as laid down in Rylands *v.* Fletcher with exceptions.

An ordinance factory owned by X made explosives for the Govt. of India. One day a shell exploded within the premises of the factory and injured a workman (W). W sues X for damages under the rule laid down in Rylands *V.* Fletcher. Will W succeed? Would your answer be different if W claimed damages under the rule laid down in M.C. Mehta *V.* Union of India (AIR 1987 SC 1086)?

राइलैण्डस् *बनाम* फ्लैचर वाद में उल्लिखित कठोर दायित्व के नियम को उसके अपवाद बताते हुए समझाइए।

X का आयुद्ध कारखाना भारत सरकार के लिये विस्फोटक पदार्थ बनाता है। एक दिन कारखाना परिसर में एक गोला फट गया और मजदूर W को चोट लग गई। W, X पर क्षतिपूर्ति का अभियोग राइलेण्ड *बनाम* फ्लैचर के प्रकाश में लगाता है।

क्या W सफल होगा? क्या आपका उत्तर भिन्न होगा यदि W क्षतिपूर्ति MC मेहता *बनाम* भारत संघ (AIR 1987 SC 1086) में लिखे नियम में माँगता है?

5. "Although the decision of the Supreme Court in Kasturi Lal Ralia Ram Jain *v.* State of U.P. has not been overruled as such, yet subsequent decisions of the Apex Court have greatly undermined its authority and diminished the sphere of sovereign immunity." Elucidate, tracing the development of the law relating to vicarious liability of the State for the tortious acts of its servants in India.

"हालांकि कस्तूरी लाल रलिया राम जैन *बनाम* उत्तर प्रदेश राज्य में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को अभी तक निष्प्रभावित नहीं किया गया है, परन्तु न्यायालय के अनुवर्ति निर्णयों ने उसके प्रभुत्व को बहुत क्षीण कर दिया है और उसकी प्रभुत्व सम्पन्न उन्मुक्ति का क्षेत्र बहुत कम कर दिया है।" राज्य के प्रतिनिधित्व दायित्व, अपने सेवकों के दुष्कृतिपूर्ण कार्यों के लिये, से संबंधित कानून के विकास को रेखांकित करते हुए विश्लेषण कीजिए।

6. Write short notes on any *two* of the following:

   (a) Essential elements of the tort of defamation

   (b) Statutory authority as a defence to tortious liability

   (c) The concept of duty of care as enunciated by Lord Atkin in Donoghue *V.* Stevenson.

निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(a) मानहानि की दुष्कृति के आवश्यक तत्व

(b) दुष्कृतिपूर्ण दायित्व से बचाव के लिये सांविधिक प्राधिकारी

(c) डोनोघ्यू *बनाम* स्टीवन्सन में लार्ड एटकिन द्वारा प्रतिपादित ड्यूटी ऑफ केयर की अवधारणा।

PART B (भाग ब)

7. Discuss the applicability of the Consumer Protection Act, 1986 to cases of medical negligence in India. Also explain, with the help of landmark cases in India, the tests for determining medical negligence, highlighting the shift from the Bolam Test to the Bolitho test.

भारत में मेडिकल लापरवाही की घटनाओं पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 की प्रयोज्यता का विवेचन कीजिए। साथ ही, भारत में युगान्तरकारी (लैण्डमार्क) वादों की सहायता से, मेडिकल लापरवाही निर्धारित करने के परीक्षणों को, बोलम परीक्षण से बोलिथो परीक्षण तक स्थानान्तरण को प्रकाशित करते हुए, समझाइए।

8. Decide the following cases under the Consumer Protection Act, 1986:

(a) Amit owns a plot of land. He enters into an agreement with a builder for construction of an

apartment building on his plot and for sharing of the constructed area between him and the builder. The builder constructs the building contrary to the specifications under the agreement and also fails to get the necessary clearance from the municipal authorities. Can Amit sue the builder for deficiency in services?

(b) Satish buys a car and drives it as a taxi to earn his livelihood. The car breaks down often due to manufacturing defects. Can Satish sue the manufacturer for supply of defective goods?

निम्नलिखित वादों का उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अधीन निर्णय कीजिए:

(a) अमित एक भूखण्ड स्वामी है। वह एक बिल्डर से समझौता करता है, उस भूखण्ड पर अपार्टमेंट भवन बनाने को, तथा निर्माणित क्षेत्र को दोनों में साझा करने के लिए। बिल्डर ने भवन निर्माण के समझौते में निर्दिष्ट विनिर्देशों का पालन नहीं किया और न ही नगर निगम अधिकरण से आवश्यक प्रमाणपत्र लिया। क्या अमित सेवाओं में कमी के लिए बिल्डर पर वाद ला सकता है?

(b) सतीश एक कार खरीदकर उसे टेक्सी की तरह प्रयोग करके अपना भरण-पोषण करता है। कार निर्माणी त्रुटियों के कारण कभी भी खराब हो जाती है। क्या सतीश

निर्माणकर्त्ता पर त्रुटिपूर्ण वस्तु के लिये वाद कर सकता है ?